B.A. F.Y. (CBCS Pattern) Semester-I

BA12B-3 - Hindi Literature

P. Pages : 2 | **GUG/W/24/10012**

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

* 3 4 3 4 *

सुचना :- सभी प्रश्न अनिवार्य है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किसी एक** ही प्रश्न का दीर्घोत्तरी उत्तर लिखिए। **20**

अ) 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक की कथावस्तु लिखिए।

अथवा

ब) प्रो. अरविंन्द के चरित्र की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

2. निम्नलिखित **किसी एक** ही समूह के सभी अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए। **20**

समूह 'अ'

क) अब किस-किससे डरू लीला? कॉलेज को दुकान की तरह चलाने वाले उस प्रेसिडेंट से? (विराम) अंगुठाछाप कमेटी मेंबरों से? चुगली खाने वाले अपने सहयोगियों से, उस लिजलिज़े बेहुदे प्रिंसिपल से? विद्यार्थियों से? क्या पूरी उम्र डरते ही रहना होगा?

ख) इस हद तक! नहीं इससे भी आगे जा सकती है। प्रेसिडेंट साहब आखिर मालिक है, अन्नदाता है। उनका कॉलेज उनकी मर्जी। इसीलिए तो कहता हूँ, नौकरी करनी है, कान बंद कर लो। आँखे मूँद लो। मुँह खुला रखो- बोलने के लिए नहीं, रोटी खाने के लिए।

ग) एकलव्य का अँगूठा बने रहने का अर्थ समझते हो? धनुर्विद्या पर उसका अधिकार हो जाएगा। धीरे-धीरे उसकी जाति का अधिकार हो जाएगा। शक्तिशाली होने के बाद ये क्षत्रियों से स्पर्धा करेंगे और परिणाम होगा- वर्णाश्रम धर्म पर संकट। (विराम) उसका अँगूठा छीनकर मैं इन संभावनाओं को हमेशा के लिए बंद कर दूँगा। समझे?

छ) अपना नपुंसक आचरण ढकने के लिए मुझ पर आरोप लगाते हुए तूम्हे थोड़ी भी लज्जा नहीं आती? मैं पूछती हूँ, तुम्हारा आचार्यत्व कहा मर गया? क्या वह केवल एकलव्य का अँगूठा कटवाने या सूतपुत्र कहकर कर्ण की अवहेलना करने तक सीमित था? तुमने अपने शिष्यों को रोका क्यों नही? क्या तुम्हारा उन पर काई नैतिक अधिकार नहीं था?

अथवा

समूह 'ब'

च) उस राजकीय अन्न की दासता ने मेरा विवेक खरीदा। मेरी न्यायबुद्धि खरीदी। मुझे एकलव्य का अँगूठा काटना पड़ा, मुझे कर्ण जैसे होनहार विद्यार्थी की व्यवस्था की आड़ लेकर ठुकराना पड़ा। पक्षपात, क्षुद्रता ने मेरा स्वत्व छीन लिया।

छ) तू द्रोणाचार्य है। व्यवस्था और सत्ता के कोड़ो से पिटा हुआ द्रोणाचार्य, इतिहास की धार में लकड़ी की ठंठ की तरह बहता हुआ, वर्तमान के कगार से लगा हुआ- सड़ा-गला द्रोणाचार्य। व्यवस्था के लाईटहाऊस से अपनी दिशा माँगने वाले टूटे जहाज-सा द्रोणाचार्य।

ज) इस समय मैं अपने सैकड़ो साथियों की ओर से बोल रहा हूँ। लौटकर उन्हें जवाब देना है। जरा साफ़ बोलने के लिए माफी चाहता हूँ। पर आपने बात बदली तो हम आपको सबसे बड़ा गुनहगार मानेंगे। फिर जो कुछ होगा, उसकी जिम्मेदारी आप पर।

झ) कान पक गए तुम्हारी बातें सुनते-सुनते। कहाँ तो सोचता था कि साल दो साल में तुम प्रिंसिपल बनोगे और मैं वाईस प्रिंसिपल। और कहाँ तुमने यह हंगामा खड़ा कर दिया। (विराम) पहले अपने चमड़ी बचाओ और तब लगाओ हाथ दूसरों को।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **15**

1) नाटक के तत्त्व स्पष्ट कीजिए।

2) एकांकी एवं नाटक में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

3) महाकाव्य किसे कहते है?

4) उपन्यास और कहानी में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किसी तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **15**

1) प्रल्हाद केशव अत्रे का परिचय दीजिए।

2) प्रेमचंद का हिन्दी साहित्य को योगदान स्पष्ट कीजिए।

3) संत मीराबाई का जीवन परिचय लिखिए।

4) "अमृता प्रितम" का परिचय दीजिए।

5. निम्नलिखित सभी लघुत्तरी प्रश्नों के अति-संक्षिप्त उत्तर लिखिए। **10**

1) अनुराधा की मृत्यु कैसे हुई?

2) यदू का परिचय दीजिए।

3) रामकुमार वर्मा की साहित्यिक रचनाओं के नाम लिखिए।

4) खण्डकाव्य किसे कहते है? स्पष्ट कीजिए।

5) गीतिकाव्य का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

****